महत्वपूर्ण एवं खास

यूक्रेन से छत्तीसगढ़ के 39 छात्र-छात्राओं की सकुशल वापसी

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा यूक्रेन संकट के दौरान छत्तीसगढ़ के नागरिकों की सहायता हेतु नई दिल्ली में सहायता केन्द्र बनाया गया है। इस केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 फरवरी से आज 2 मार्च को शाम 5 बजे तक छत्तीसगढ़ के 39 छात्र-छात्राओं की सुरक्षित वापसी हो चुकी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इन छात्र-छात्राओं को वाहन, ठहरने, भोजन की सुविधा उपलब्ध करायी गयी, इसके साथ ही इन छात्र-छात्राओं को अपने गृह नगर जाने के लिए एयर टिकट कराकर उनके परिजनों को सकुशल सौंपा जा चुका है। नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ भवन के संयुक्त आवासीय आयुक्त संजय अवस्थी से प्राप्त जानकारी के अनुसार नई दिल्ली में बनाये गए इस सहायता केन्द्र में 22 फरवरी 2022 से निरंतर दूरभाष पर यूक्रेन में फंसे छत्तीसगढ़ के 134 छात्र-छात्राओं तथा उनके परिजनों से लगातार सतत् संपर्क बना हुआ है।

ट्रेनों में हुई पुरानी व्यवस्था, दूर होगी यात्रियों की परेशानी

कोरबा। रेलवे ने ट्रेनों में जनरल डिब्बों की पुरानी व्यवस्था को बहाल करने का फैसला किया है। अब यात्री पहले की तरह ही ट्रेन में जनरल टिकट लेकर यात्रा कर सकेंगे। यात्रियों को अब जनरल टिकट लेने में भी कोई परेशानी नहीं होगी। कोरोनाकाल में कई सारी ट्रेने रद्द चल रही थीं। कई ट्रेनें तो लगभग 2 साल से ही नहीं चल पा रही थीं ऐसे में अब कोरोना के केस कम होने पर रेलवे ने यात्रियों को होली पर तोहफा दिया है। रेल मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा, कि सभी ट्रेनों को पहले की तरह रि-स्टोर कर दिया गया है और जनरल डिब्बों की पुरानी व्यवस्था को बहाल करने की मंजूरी दी गई है। अब यात्री पहले की तरह ही ट्रेन में यात्रा कर सकते हैं। ट्रेनों में जनरल डिब्बों की पुरानी व्यवस्था को बहाल करने का फैसला यात्रियों के लिए राहत देने वाली खबर है। अब यात्री पहले की तरह ही ट्रेन में जनरल टिकट लेकर यात्रा कर पाएंगे। साथ में रेलवे ने अपने आदेश में कहा है कि यात्रियों को अब जनरल टिकट लेने में भी कोई परेशानी नहीं होगी और जनरल टिकट पर यात्रा कर पाएंगे। गौरतलब है कि रेलवे के जरिए से रोजाना लाखों की संख्या में लोग यात्रा करते हैं। भारतीय रेलवे उनकी यात्रा को बेहतर बनाने के लिए तमाम तरह की सुविधाएं प्रदान करता रहता है। कोरोनाकाल में रेलवे ने कई तरह की सुविधाओं को खत्म कर दिया था, लेकिन अब जैसे-जैसे हालात बेहतर हो रहे हैं, रेलवे फिर से उन सुविधाओं की शुरुआत कर रहा है।

6 मार्च को गजल संध्या का आयोजन

कोरबा। श्लोक ध्वनि फाउंडेशन द्वारा आगामी 6 मार्च को गजल संध्या अल्फाज और आवाज का आयोजन किया जा रहा है। राजीव गांधी ऑडिटोरियम इंदिरा स्टेडियम टीपी नगर में संध्या 7 बजे से आयोजित उक्त कार्यक्रम में मशहूर शायर अजय पांडेय व गजल गायक राजेश सिंह अपनी प्रस्तुति देंगे। यह जानकारी देते हुए आयोजन समिति ने लोगों से अपील की है कि उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर सहभागी बनें।

पुलिस माओवादी मुठभेड़ में तीन लाख का इनामी माओवादी हुआ ढेर, कटेकल्याण थाना क्षेत्र में हुई थी मुठभेड़

दन्तेवाड़ा (आरएनएस)। जिले के कटेकल्याण थाना क्षेत्र के तुमकपाल के पास मंगलवार 1 मार्च को शाम 4 बजे डीआरजी के जवानों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई, इस मुठभेड़ में जवानों ने तीन लाख रुपये के इनामी माओवादी को मार गिराने में सफलता हासिल किया है। बस्तर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार माओवादी विरोधी अभियान पर निकले डीआरजी के जवानों और माओवादियों के बीच कटेकल्याण थाना क्षेत्र के तुमकपाल के पास हुए मुठभेड़ में जवानों ने दरभा डिवीजन प्लाटून 31 का सदस्य लखमा कवासी को मार गिराया है। मारे गए उक्त माओवादी पर शासन द्वारा तीन लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

केंद्र सरकार के संयुक्त सचिव ने किया गौठनों का अवलोकन

- संचालित गतिविधियों की ली जानकारी
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था के स्वालंबन का महत्वपूर्ण कदम बताया

रायपुर (आरएनएस)। पशुपालन एवं डेयरी विभाग भारत सरकार के संयुक्त सचिव (एन एल एम) डॉ ओ पी चौधरी ने आज यहां आरंग विकासखंड के पारागांव एवं बड़गांव गौठानों का अवलोकन किया। उन्होंने गौठान में संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। वहां उपस्थित ग्रामीणों, स्व सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा कर गौठानों से अर्जित होने वाले आय की जानकारी ली। ऐसी योजनाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के स्वालंबन के लिए राज्य सरकार का महत्वपूर्ण कदम है। ऐसी योजनाओं से स्थानीय स्तर पर ही ग्रामीणों को आमदनी का बेहतर साधन मिल रहा है और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है।

डॉ चौधरी ने अपने प्रवास के विषय में कहा कि वे छत्तीसगढ़ सरकार की योजना को समझने के लिए गौठानों का अवलोकन करने आए हैं। उन्होंने गौठान में संचालित मुर्गी पालन, बकरी पालन, वर्मी खाद निर्माण, बाड़ी योजना के तहत सब्जी उत्पादन, चारागाह विकास आदि की गौठान संचालक समिति के सदस्य एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा की। केन्द्रीय संयुक्त सचिव ने राज्य सरकार की गौधन न्याय योजना तथा गौठानों को आजिविका केन्द्रों के रूप में विकसित करने की तारीफ की। उन्होंने पशुओं के गोबर से खाद बनाने के लिए नाफेड टंकी और वर्मी कंपोस्ट टंकी का अवलोकन करते हुए वर्मी खाद बनाने की पूरी तकनीकी की जानकारी ली। डॉ चौधरी ने गोबर संग्रहण, उत्पादन उसके विक्रय तथा अर्जित होने वाले आय की जानकारी ली।

स्व सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि पारागांव गौठान में 3 एकड़ में गौठान बना हुआ है तथा 10 एकड़ में चारागाह विकसित किया गया है एवं 2 एकड़ में सब्जी भाजी का उत्पादन किया जा रहा है। समूह की महिलाओं ने बताया कि वर्मी खाद् उत्पादन से अब तक एक लाख अस्सी हजार से अधिक की आय अर्जित हो चुकी है, साथ ही बाड़ी योजना के तहत सब्जी उत्पादन से लगभग 2 लाख, बकरी पालन से 20 हजार तथा मुर्गी पालन से 80 हजार की आय अर्जित की जा चुकी है।

डॉ चौधरी के पूछे जाने पर ग्रामीणों ने बताया कि इस योजना के लागू होने से ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है तथा आय अर्जित करने का एक स्थाई जरिया प्राप्त हुआ है। गौठानों में अब वर्मी कंपोस्ट के साथ सुपर कंपोस्ट का भी उत्पादन किया जाने लगा है। सहेली महिला स्व सहायता समूह पारागांव की दीदियों ने बताया कि वह 2 रूपये में गोबर की खरीदी करते हैं तथा खाद बनाने के बाद 10 रूपये में उसे बेचती हैं।

डॉ चौधरी ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि गौठानों को बिजनेस हब बनाने के बारे में भी सोचने की जरूरत है। क्योंकि गौठानों के माध्यम से कई प्रकार की व्यवसायिक गतिविधियां संचालित की जा सकती हैं। उन्होंने इन्टरप्रन्यौरशिप की भी बात कही।

डॉ चौधरी ने मॉडल गौठान ग्राम पंचायत बड़गांव का भी अवलोकन किया। उन्होंने वहां संचालित सब्जी बाड़ी उत्पादन कार्य, मछली पालन कार्य, वर्मी सुपर कंपोस्ट उत्पादन, मुर्गी पालन, फुलवारी कार्य, मशरूम उत्पादन कार्य सहित अन्य गतिविधियों की वास्तविकता से जानकारी ली। उन्होंने वहां ग्रामीणों एवं सहायता समूह की महिलाओं से बात की। समूह की महिलाओं ने बताया की वर्मी कंपोस्ट से 1 लाख रूपये सुपर कंपोस्ट से 80 हजार रूपये तथा केंचुआ विक्रय से 50 हजार रूपये से अधिक की आमदनी हो चुकी है। डॉ चौधरी ने अर्जित आय की उपयोगिता की जानकारी ली।

ग्रामीणों ने बताया कि गौठान से उन्हें रोजगार प्राप्त हुआ है वे अर्जित आय को आवश्यकतानुसार बच्चों की पढ़ाई, घरेलु खर्चे, बचत तथा खेती-किसानों आदि में लगाते है। पशुधन विकास विभाग की संचालक चंदन त्रिपाठी ने बताया कि गोबर का विक्रय कर ग्रामीण अब आय अर्जित करने लगे हैं। गौठानों को पशुओं के लिए ''डे केयर'' सेंटर्स के रूप में विकसित किया गया है, जिससे पशुओं से फसलों को होने वाले नुकसान से बचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बाड़ी योजना के तहत उत्पादित सब्जियों का विक्रय आंगनबाड़ी, स्कूल, छात्रावास आदि में भी किया जा सकता है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य पशुधन विकास अधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ शंकरलाल उइके सहित पशुपालन, कृषि एवं पंचायत विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बरपाली में शासकीय भूमि पर बेजाकब्जा, तहसीलदार ने की कार्यवाई

कोरबा। ग्राम बरपाली में शासकीय भूमि में इन दिनों बेजाकब्जा धड़ल्ले चल रहा है। सरपंच सुमित्रा बिंझवार द्वारा गांव में हो रहे बेजाकब्जा के खिलाफ तहसील में आवेदन दिया गया था। इस पर संज्ञान लेते हुए बरपाली तहसीलदार आराधना प्रधान ने बेजाकब्जाधारियों के खिलाफ अभियान चलाया, इससे बेजा कब्जाधारियों की नींद उड़ गई है।

गांव में कुछ दलाल सक्रिय हैं जो चंद पैसों के लालच में शासकीय भूमि का सौदा करने से भी नहीं चूकते। बरपाली के शमशान घाट सड़क के किनारे रतन कुमारी पति सालिक राम द्वारा शासकीय भूमि पर बेजा कब्जा कर मकान बनाया जा रहा था, इस पर तहसीलदार द्वारा स्टे लगा दिया गया था। इसके बावजूद वहां फिर से निर्माण करने की सूचना पर तहसीलदार ने पटवारी और सरपंच के माध्यम से निर्माण कार्य रुकवाने के लिए भेजा। पटवारी और सरपंच के द्वारा निर्माण कार्य रुकवाने के बाद फिर से निर्माण करने की सूचना पर तहसीलदार ने शासकीय भूमि पर कब्जा कर भवन निर्माण करने वाले के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सामान जब्त किया। तहसीलदार द्वारा की गई इस कार्रवाई पटवारी, ग्राम पंचायत बरपाली की सरपंच सुमित्रा बिंझवार, पंच, ग्राम सचिव वीरेंद्र किरण, ग्राम कोटवार तथा सैकड़ों की संख्या में गांव के नागरिक मौके पर उपस्थित रहे। जिस जगह कब्जा कर भवन निर्मित किया गया है वहां रतन कुमारी पति सालिकराम की बेटी व दामाद वर्तमान में रह रहे हैं और प्रशासन के बार बार समझाइश देने के बावजूद निर्माण कार्य जारी रखा था इस पर तहसीलदार द्वारा कार्य पर रोक लगाते हुए जब्ती कार्रवाई की गई। शासकीय भूमि पर कब्जा करने वालों के हौसले इतने बुलंद है कि तहसील से स्टे लगने के बाद भी बेजाकब्जा कर मकान निर्माण करने का कार्य रुक नहीं रहा है। जिस प्रकार से ग्राम बरपाली में बेजा कब्जा करने का खेल चल रहा है, आने वाले समय में वहां शासकीय भूमि को ढूंढना मुश्किल हो जाएगा।

शुरू हुई 12वीं बोर्ड की परीक्षा, पांच उड़नदस्ता टीम गठित

कोरबा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 12वीं बोर्ड की परीक्षा शुरू हो गई है। पहले दिन आज हिंदी का पर्चा हुआ। 10वीं की परीक्षा कल से शुरू होगी। कोरोना काल में कोविड नियम का पालन कराने के लिए विद्यार्थियों को उनके स्कूलों में ही परीक्षा देने की अनुमति दी गई है। फलस्वरूप जिले में 448 केंद्र बनाए गए हैं। इनमें निजी स्कूल 182 सरकारी और 102 निजी स्कूल शामिल हैं। जहां विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।

परीक्षा का समय सुबह 9 बजे दोपहर 12.15 बजे निर्धारित किया गया। तीन घंटे का समय पर्चा हल करने के लिए होगा और शेष 15 मिनट का समय उत्तर पुस्तिका में रोल नंबर लिखने और प्रश्न पत्र अध्ययन के लिए होगा। दसवीं की परीक्षा भी तीन मार्च से हिंदी पर्चे के साथ होगा। इसके लिए भी परीक्षा सुबह नौ से 12.15 बजे तक होगा। बीते वर्ष की तरह बारहवीं की तुलना में दसवीं के परीक्षार्थियों की संख्या अधिक है। नियमित और स्वाध्यायी दोनों मिलाकर इस बार बोर्ड में कुल 37 हजार 640 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें कक्षा दसवीं के 15 हजार 830 और बारहवीं के 15 हजार 810 परीक्षार्थी शामिल होंगे।बोर्ड की परीक्षा को पारदर्शितापूर्ण आयोजित करने के लिए जिला प्रशासन ने पांच उड़नदस्ता टीम का गठन किया है।

मृत व्यक्ति के फर्जी दस्तावेज बना सरपंच व डीलर ने बेची गाड़ी, अपराध दर्ज

कोरबा। मृत वाहन मालिक के नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार कर सरपंच व ऑटो डीलर ने उसकी चार पहिया मालवाहक वाहन को बेच दिया। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बिलासपुर जिले के सीपत थाना अंतर्गत कुली गांव निवासी अजय कुमार साहू की करीब ढाई साल पहले मौत हो चुकी है। अजय कुमार की पत्नी रामेश्वरी के मुताबिक उसके पति की मौत के बाद उसकी चार पहिया मालवाहक टाटा टीपर सीजी.12.एटी.7554 कुली गांव के सरपंच पवन साहू के आईटीआई रामपुर स्थित घर में खड़ी थी। 6-7 माह बाद वाहन नहीं दिखने पर उसने सरपंच पवन साहू से पूछा तो उसने बिलासपुर के गैरज में बनने भेजे जाने की जानकारी दी। कुछ दिन बाद बिलासपुर निवासी ऑटो डीलर साहिल सराफ ने रामेश्वरी के घर आकर गुमराह कर कोरे कागज में उसके हस्ताक्षर कराए और 10 हजार रुपए दिया। बाद में पवन साहू व साहिल सराफ द्वारा मिलकर वाहन बेचने का पता चला तो उसने बिक्री रकम की मांग की। तब उन्होंने जान से मारने की धमकी दी।

छायाचित्र प्रदर्शनी : लोगों को मिली शासकीय योजनाओं की जानकारी

रायगढ़। राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के लिए जनसंपर्क विभाग द्वारा विकासखंड घरघोड़ा के नवापारा (टेण्डा)में एक दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। ग्राम नवापारा के भरत लाल राठिया एवं सनीरो बाई ने कहा कि शासन की गोधन योजना से पशुपालकों में भारी उत्साह है, गोबर विक्रय कर वे अच्छी आय अर्जित कर रहे है। इसके अलावा वनोपज का समर्थन मूल्य में वृद्धि होने से वनोपज पर निर्भर रहने वाले लोग इसका लाभ उठा पा रहे है। गांव की महिला मालती राठिया एवं दुतिका राठिया ने छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि जलजीवन मिशन के माध्यम से महिलाओं को काफी राहत मिला है, अब पानी के लिए उन्हें दूर जाना नहीं पड़ता। साथ ही धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर के माध्यम से शासन ने जनता को महंगी दवाईयों से राहत दी है। स्कूली छात्रों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन करने में रूचि दिखाई। छायाचित्र प्रदर्शनी देखने पहुंचे सुरेन्द्र राठिया, सोनू, परमेश्वर एवं ईश्वर राठिया ने कहा प्रदर्शनी के माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी एक ही जगह मिल रही है।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर भीम सिंह के मार्गदर्शन में जनसंपर्क विभाग द्वारा विकासखण्डवार प्रदर्शनी लगाई जा रही है। सूचना शिविर सह छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से ग्राम नवापारा (टेण्डा)के ग्रामीणों को राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं जैसे राजीव गांधी किसान न्याय योजना, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना, जल जीवन मिशन, सुराजी गांव, नरवा गरवा घुरवा बाड़ी योजना, वनोपज संग्रहण, जलजीवन, छत्तीसगढ़ मॉडल, रोका छेका, धन्वंतरी, बिजली बिल हॉफ, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय, छत्तीसगढ़ महतारी दुलार, गोधन न्याय योजना आदि की जानकारी दी गई। प्रदर्शनी में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित बुकलेट, पम्पलेट, ब्रोशर एवं जन-मन पुस्तिका का निःशुल्क वितरण किया गया।

कलेक्टर भीम सिंह ने वीडियो काल के जरिये मछली पालक समूहों के हितग्राहियों से की चर्चा

रायगढ़। जिले में मत्स्य विभाग के कार्यों के सफल संचालन एवं योजना के क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर भीम सिंह ने वीडियो काल के माध्यम से मत्स्य पालन विभाग के हितग्राहियों से चर्चा की। जिले में लगभग 7291 तालाब में से 6966 तालाब में मत्स्य पालन किया जा रहा है। जिले में लगभग 63 मछुआ सहकारी समितियां पंजीकृत है तथा लगभग 150 से अधिक समूह है। जिनमें 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की भागीदारी है। कलेक्टर सिंह ने ग्राम पंचायत कोतरा अंतर्गत कंठीटार जलाशय के भैना सिदार, मछुआ समूह के अध्यक्ष छोटे लाल सिदार तथा अन्य सदस्यों से चर्चा किए। जिसमें समूह के अध्यक्ष ने बताया कि उन्हें शासन के द्वारा वर्ष 2021 में मत्स्य पालन हेतु 10 हेक्टेयर जलाशय पट्टा पर 10 वर्ष हेतु प्राप्त हुआ है। जिसमें समूह के द्वारा मत्स्य पालन किया जा रहा है। मत्स्य विभाग द्वारा समूह के सदस्यों को मत्स्य पालन हेतु 10 दिवसीय प्रशिक्षण भी दिया गया है। साथ ही जाल वितरण एवं ब्याज मुक्त मत्स्य पालन ऋण की जानकारी भी बताई गई। समूह द्वारा मत्स्य पालन हेतु मत्स्य विभाग तथा बाहर बाजार से बीज जलाशय में डाला गया है। समूह के अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि अब तक लगभग 28 हजार लागत आ चुकी है, कुछ और लागत लग सकती है। मत्स्य पालन से लगभग 3 से 4 लाख रूपये वार्षिक लाभ की उम्मीद है। चर्चा के दौरान कलेक्टर द्वारा ब्याज मुक्त मत्स्य पालन ऋण की जानकारी तथा मछली पकड़ने हेतु नाव के उपयोग की सलाह दिया गया साथ ही शासन के योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। समूह के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने मत्स्य पालन हेतु किये जा रहे सहयोग एवं तकनीकी मार्गदर्शन के लिए कलेक्टर तथा मत्स्य विभाग का हृदय से आभार व्यक्त किया।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक
आवश्यकता
इस संघ का गठनसमपूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं. 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तरुवन श्रीवास्तव (अधिवक्ता, मानवीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बॉडी के सदस्यों कुछ सी.डी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुर ने एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्त, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।
उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ सम्प्रदाय एवं अनैतिकता के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आवश्यकतानुसार नियुक्तियां की जायेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकते है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।
मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मुख्य रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिपूर्वक एवं संवैधानिक अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।
पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव को हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।
अन्य बिन्दु
पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
Address : Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001
www.nyaysakshi.com
सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

दो साल के अंदर 2500 लाख टन सालाना कोयला उत्पादन का लक्ष्य: सीएमडी

कोरबा। साउथ इस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड एसईसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक सीएमडी डा प्रेमसागर मिश्रा एकाएक कोरबा क्षेत्र की खदान का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि आने वाले दो साल के अंदर 2500 लाख टन सालाना कोयला उत्पादन का हमारा लक्ष्य है। इसे हासिल करने के लिए संसाधन व अन्य व्यवस्थाएं जुटाई जा रही। खदान से जो भी कोयला निकल रहाए उसका समय पर सही स्थान में पहुंचाया जा सकेए इसके लिए भी रेलवे प्रबंधन के साथ मिलकर योजना बनाई जा रही।

पदभार ग्रहण करने के बाद सीएमडी डा मिश्रा एसईसीएल के सभी क्षेत्रों का दौरा कर कोयला उत्पादन व लदान की स्थिति से रूबरू होने के साथ ही खदानों का भी निरीक्षण कर अधिकारियों से आवश्यक निर्देश दे रहे हैं। मंगलवार को एसईसीएल कोरबा क्षेत्र की खदानों का जायजा लिया। इस दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए, उन्होंन कहा कि एसईसीएल में पिछले दो वर्ष से 1500 लाख टन कोयला उत्पादन हो रहा है, जो कंपनी को मिले लक्ष्य से कम है। कोशिश है कि न केवल इस लक्ष्य को पार किया जाएगा, बल्कि नए लक्ष्य को हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि देश की उर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनी कटिबद्ध है और विद्युत संयंत्रों को जितना भी कोयला चाहिए, उसकी मांग के अनुरूप प्रदान किया जाएगा। एसईसीएल कोरबा क्षेत्र से अपार संभावनाएं हैं, कुछ कमियां हैं उसे दूर कर पुनः बेहतर बनाया जाएगा। एक प्रश्न के उत्तर में डा मिश्रा ने कहा कि ओपनकास्ट मानिकपुर खदान से भूमिगत रजगामार खदान के बीच कोयला का अकूत भंडार है। पिछले कुछ सालों से सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड सीएमपीडीआइएल की टीम सर्वे कर रही। इन क्षेत्रों में भी नई कोयला खदान खुलने की संभावना है। एसईसीएल की खाली पड़ी जमीन को सदुपयोग करने की योजना बनाई जा रही है। इसमें सोलर पैनल संयंत्र या कृषि योग्य बनाया जा सकता है। इस दौरान एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के महाप्रबंधक बिश्वनाथ सिंह, मानिकपुर के महाप्रबंधक दीपक पंड्या, सराईपाली परियोजना के उपक्षेत्रीय प्रबंधक एसएस चौहान समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएमडी डा मिश्रा ने कोरबा प्रवास के दौरान एसईसीएल कोरबा क्षेत्र की भूमिगत परियोजना ढेलवाडीह, सिंघाली, बगदेवा, सुराकछार व ओपनकास्ट खदान मानिकपुर की दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नक्शा से सभी खदान की स्थिति ली। मानिकपुर में ब्यूपाइंट से खदान का निरीक्षण किया और अधिकारियों से चर्चा कर उत्पादन व लदान के संबंध में जानकारी ली और लक्ष्य समय पर हासिल करने के लिए, कार्यपद्धति की सराहना की सभी खदान क्षेत्र के अधिकारियों से स्थल पर समीक्षात्मक चर्चा की। साथ ही उत्पादन व लदान में आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संसाधन की कमी नहीं होने दी जाएगी, खदान को अपने लक्ष्य के अनुरूप कोयला उत्पादन व लदान किया जाए।